श्रीशिवमहिम्नः स्तोत्रम्

श्लोक ८

हे वरदान देने वाले शिव, आपके पास एक बड़ा-सा बैल है, खट्वाङ्ग है, परशु है,
मृगचर्म है, भस्म और कुछ सर्प हैं, एक नर-कपाल है और ऐसी ही कुछ वस्तुएँ हैं —
आपके पास बस इतना ही सामान है, किन्तु अपने दृष्टिपात मात्र से आपने
देवगण को ऋद्धि-सिद्धियों की प्राप्ति कराई जिसे वे भोगते हैं।
सच ही है, जो आत्मानन्द में रमा हुआ है, उसे विषयों की तृष्णा कभी भ्रमित नहीं कर सकती।

अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। अंग्रेज़ी भाषान्तर, *The Nectar of Chanting* से उद्धृत [साउथ फ़ॉल्सबर्ग, न्यूयॉर्क : एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन, १९८४] पृ १५०।

©२०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।